CSIR - AMPRI in News











माणसभावका साएसआइआर का गाताबाधवा स मलगाड गुरुवार का समापन कोमों को प्रतिकार कारणोर केला में सीएसआईआर प्राप्त पदार्थ तथा प्रक्रम अनुसंघान संस्थान (एप्री) में प्रोडकर लॉपिंग और खाख्यान का आयोजन सीएसआईआर प्राप्त पदार्थ तथा प्रक्रम अनुसंघान संस्थान (एप्री) में प्रोडकर लॉपिंग और खाख्यान का आयोजन हाइब्रिड ग्रीन कंपोजिट उत्पाद पर नहीं होता मौसम का असर

सीएसआईआर ने नैनी एडसाबेंट ्र ताकानीक का किया हसातरण के सर व पणोरोसिस जैसी बीमारियां रुकेगी विषय संवादका के नेपाल - 4 1989331231

वैज्ञानिकों ने स्टूडेंट्स उन्नत हाइब्रिड से जुड़ी

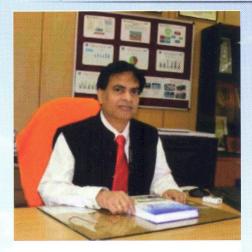
विश्वे विवोर्टर प्रमात पदार्थ एवं प्रक्रम







सी एस आई आर - प्रगत पदार्थ तथा प्रक्रम अनुसन्धान संस्थान (एम्प्री), भोपाल CSIR — Advanced Materials and Processes Research Institute (AMPRI), Bhopal



From the Director....

CSIR - Advanced Materials and Processes Research Institute, Bhopal is located in the heart of the country having the mandate and commitment towards fulfilling the coming needs of the Nation and the world at large in the field of advanced materials and processes. We are not only exploring the arena of smart and novel materials which can excel in the test of today's needs, but we are putting equal emphasis on environmental concerns of the country by utilization of waste and hazardous materials in effective manner.

The Institute is actively engaged in a continuous process of dissemination of its activities through publications and seminars and interaction with industries for transfer of technologies for use of the masses. Products of Nanoadsorbent based filters, Hybrid composite and Radiation Shielding materials were launched recently by the entrepreneurs using our technologies.

I wish to share through this document, the highlights of AMPRI's activities in recent past. Valuable support and cooperation of TEAM AMPRI is always of utmost importance.

(Avanish Kumar Srivastava)





CSIR - AMPRI IN NEWS

- National Technology Day 2017
- Technology Transfer of Pavers Block
- Institute Industry Enclave 2017
- CSIR Platinum Jubilee Capsule Exhibition
- Jigyasa Programme Science Teachers' Workshop
- Knowhow Transfer of Nanoadsorbent Based Filter
- Agreement with Barkatullah University
- Product Launch of Hybrid Green Composites Materials
- Institute Industry Meet on Agro Waste
- Workshop on Emerging Materials
- National Seminar on IPR at TIT, Bhopal
- On AMPRI Technologies
- National Technology Day 2018
- AcSIR at CSIR AMPRI
- Important Visitors and other Events
- Our Recent Publications

NATIONAL TECHNOLOGY DAY - 2017



National Technology Day - 2017

CSIR-AMPRI, Bhopal celebrated National Technology Day on May 11, 2017 to commemorate the momentus accomplishments of Science and Technology. The day is celebrated every year to commemorate the series of nuclear tests at Pokharan. Subsequently the firing of Trishul missile by DRDO and launching of HANSA

civilian aircraft by CSIR - NAL have marked the Technology Day.

Er. Arvind Shrivastava, Chief Engineer, Civil Engineering Group, Nuclear Power Corporation Ltd., Mumbai was the Chief Guest and Shri Sanjeev Narvekar, Marketing Manager, Hindoostan Composite Solutions, Mumbai was the Guest of Honor on the occasion.

At the outset, Dr. S.S. Amritphale, Acting Director, CSIR – AMPRI, Bhopal welcomed the guests and highlighted the activities of AMPRI, Bhopal.

Dr. Rupa Dasgupta, Chief Scientist, CSIR – AMPRI underlined the importance of celebration of National Technology Day.

Shri Sanjeev Narvekar delivered the Technology Day lecture on "Opportunities and Applications in Composites" on the occasion. He presented the fascinating scenario of usage of new composites.

Er. Arvind Shrivastava, in his address underlined the technological achievements, which are the genesis of Technology Day. He said that scientists should contribute to society with their research work. He also underlined the contribution of AMPRI towards the society through it's time and cost saving technologies.

The function concluded with a vote of thanks from Dr. R.K. Morchhale, Chief Scientist, CSIR – AMPRI.

नव दुनिया, 12.5.2017 🔾



पत्रिका, 12.5.2017

एम्प्री ने किया प्रौद्योगिकी दिवस का आयोजन

भोपाल सीएसआईआर (एम्प्री) द्वारा ः।जार । अपूर्णायाय (प्रेंग) आर् विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की उपलब्धियों की स्मृति में गुरुवार को प्रौद्योगिकी दिवस का आयोजन किया गया। यह आयोजन पोखरण में परमाणु विस्फोटों की शृंखला, सीएसआईआर एनएएल द्वारा हंसा वायुयान की उड़ान एवं डीआरडीओ द्वारा त्रिशूल मिसाइल के प्रभ्रेपण की स्मृति में हा साल मनाया जाता है। इस अवसर पर इंजीनियर आविंद श्रीवास्तव, मुख्य अभियंता एवं प्रमुख, सिनिल अभियांत्रिकी समूह, भारतीय परमाणु ऊर्जा निगम लि. पुंबई मुख्य अतिथि और संजीव नारवेकर, मार्केटिंग मैनेजर, हिंदुस्तान कम्पोजिट सोल्युशंस लि. मुंबई विशिष्ट अतिथि थे।

प्रोद्योगिकी दिवस समारोह का आयोजन

भोपाल। सीएसआई प्रगत पदार्थ तथा प्रक्रम अनुसंधानं संस्थान में गुरुवार को प्रोद्योगिकी ज्युरावान सर्वान न उपनार जा जावान्त्व दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस त्रवार प्रचारार का जानावार विकास और अनुस्राम मौके पर कंपीजिंद में अवसर और अनुस्राम विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया 1944 र जालमा या जानाना क्या गया। कार्यक्रम में अतिथि के ह्या में मुख्य अभियंता अविंद श्रीवास्तव और संजीव जानकार अपना प्राप्त के कार्यकारी विदेशक डॉ. एस एस अमृतफले मौजूद थे। कार्यक्रम का पूरा पर अरुपान्य नाजूब के निम्म विचार में अतिथियों ने विषय के बारे में अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का आयोजन पोखरण में परमाणु विस्तीरों की शृंखला, हंसा न परमाणु ।वपस्तादा का श्रृबंदाा, हुसा वासुयान की उड़ान और त्रियूल मिसाइल के प्रक्षेपण की स्मृतिमें किया गया था।





भोपाल • प्रोशोगिकी रिक्स के अवसर पर सीपस्थाई अर-एप्पी, पोपाल में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिश्व के तीर पर अत्यरोग परमाणु कर्जी निगम लिगिटेड, मूर्वई से अर्शक्द श्रीकासल, किनुस्तान मूर्वई से अर्शक्द श्रीकासल, किनुस्तान मूर्वई से अर्शक्द श्रीकासल, किनुस्तान मूर्वे ते अर्शक्द श्रीकासल, किनुस्तान संजीव नारंक्कर मौजूर हो। अर्शक्द स श्रीवासलय ने कहा कि, वैज्ञानिकों समाज को अपने श्रोध कार्य का योगदान समाज को अपने श्रोध कार्य का योगदान स्वा जाहिए। उन्होंने समय और लागद में अवतर करते जाली प्रोशोगिकयों के

माध्यम से एम्प्री के योगधान को स्पाहनीय बताया। एम्प्री, भोपाल के कार्यकारी निरंशक डॉ. एसएस अमुगलने ने एम्प्री, भोपाल की गतिविध्यों के बारे में बताया। वहाँ एम्प्री की मुख्य वैज्ञानिक, डॉ. रूपा एसपुणा ने राष्ट्रीय भौतीविकां हिस्स के आयोजन के पहल को बताते हिस्स के कि. प्रतिवर्ध यह दिन 11 मई को पोखणा में प्रमाण विस्पर्केटो की श्रेखला, हंसा वायुआन की उड़ान और श्रेखला, हंसा वायुआन की उड़ान और प्रश्लेषण की स्मृति में मनावा जाता है।

पीपुल्स समाचार, 12.5.2017

सीएसआईआर-एम्प्री ने मनाया प्रौद्योगिकी स्मृति दिवस

कई वक्ताओं ने दिए प्रौद्योगिकी पर व्याख्यान

पीपुल्य खंतादत्तत्त 🏶 भोताल भो.नं. 9893231237

भीमान अभीमान स्ति । १९८० व्याप्तवाता । भोमान अभीमान स्ति । १९८० व्याप्तवाता । भोमान स्ति । उपानिकालिका विज्ञान एवं जो जानाकिकालिका विज्ञान पार्टिकालिका । भीमान स्ति । भाम अगाजन स्ति । भाम अगाज

प्राम्यको पर व्याख्यान प्रमुष भोगाल के कार्यकारी निदेशक डॉ. रसपस अभवकले ने अतिकियों का स्थापत कर एमी, भोगाल की वार्ति डॉ. रूप यूप गृता मुख्य वेज्ञानिक, बीपस्थाअग-एमा ने राष्ट्रीय प्रोक्षानिक टिस्स के अधीनक के महत्त्व की बतायां संजीव नारवेकर ने द्वस अस्सर पर क्योगोजर में अस्तर एवं अनुस्रयोग विकाय पर ग्रीक्षानिको टिस्स व्याख्या प्रस्तुत किया।

विषय पर प्रौद्योगिको दिवस व्याख्यान प्रस्तुत किया। सर्वा, इ. असीवन्द श्रीवास्त्राव ने अपने उद्योगन में उन प्रौद्योगिकीय उपनिक्वयों को स्वाविकत किया। उस्ति कर्वाको दैवानिको क्रिसाना को अपने शीप कार्य का गोगतगन्दा स्वाहिए। अंत में मुख्य नेतानिक डॉ. रूपा दासपुराता है अस्तिमयों के प्रमुख्य न्यापन क्षित्र हो स्वाविक प्र मुख्यवाद न्यापन क्षित्र । इस मोक प्रमुख्यवाद नामान क्षत्र । इस मोक प्रमुख्यवाद ।

Pioneer, 12.5.2017 O

Hitavada, 12.5.2017)

TheHitavada

BHOPAL #Friday # May 12 # 2017

National Technology Day observed at AMPRI

The day is observed every year to commemorate the series of nuclear tests series of nuclear at Pokharan.
Subsequently, the firing of Trishul missile by DRDO and launching of HANSA civillan alicraft by CSIR-NAL have marked the Technology Day

Staff Reporter

MATIONAL Technology Day was observed to commenorate the momentus accomplishments of Science and Technology at Advances Materials and Propose Research Institute (PRI), Bhopal on Thursday to commenorate the propose of the propose of

Shrivastavu, Chiefengineet, Civil Engineering Group, Nuclear Prower Conformation Ltd Mumbai van the Charles of Company (Conformation Ltd Mumbai Van Under Prower Conformation Ltd Mumbai Van Louis and Companie Soliulous, Housean Companie Soliulous, Amariching Manager of Louis and Louis a



TECHNOLOGY TRANSFER OF ADVANCED PAVERS BLOCK FROM COPPER TAILINGS



Technology Transfer of Paver Blocks

CSIR - AMPRI, Bhopal transferred the knowhow of making "Advanced Pavers Block from Copper Tailings" to Hindustan Copper Limited, Malanjkhand on May 30, 2017. This knowhow is generated during the research work on the project "Development of Advanced Material Utilizing Malanjkhand Copper Ore Tailings" sponsored by Hindustan Copper Limited, Malanjkhand. Copper Tailing is a waste product of Copper extraction process, which is generated in very large quantities and was not being utilized and causing pollution.

The documents were exchanged

between Dr. S.S. Amritphale, the then Acting Director, CSIR – AMPRI and Shri ON Tiwari, Executive Director, Hindustan Copper Limited ,Malanjkhand in the presence of Prof. J.S. Chouhan, Director, Samrat Ashok Technological Institute, Vidisha.

At the outset Dr.S.S.Amritphale welcomed the guests and highlighted the activities of CSIR – AMPRI. Shri O N Tiwari said that there are heavy metals in the waste of copper smelting which affects the environment. This waste was not being utilized at Malanjkhand since 1982. He appreciated the role of AMPRI to bring this technology of making blocks which can solve the problems of environmental pollution, employment and also helpful at economic level. The blocks are used in the HCL township also, he said.

Prof. JS Chauhan in his address said it is the duty of scientists and educationists to think about the requirements of the society. We have to put emphasis on reduce, reuse and recycle and industries also

have to think of reducing pollution.

The Principal Investigator of the project Dr. Mohammad Akram Khan made a presentation on the technology. Dr. S K Sanghi, Head, Publication and Publicity proposed the vote of thanks.





INSTITUTE - INDUSTRY ENCLAVE 2017



CSIR- AMPRI & Institute for Environmental Nano technology - Centre of Excellence (IENT-COE) jointly organised one day workshop titled "Industry Institute Enclave (IIE-2017)" to ease the commercialization of CSIR Technologies with a main focus on CSIR- AMPRI's "Advanced Hybrid Green Composites Technology" and "Cement-free Concrete & Radiation Shielding Technology" on August 9, 2017 in Coimbatore, Tamil Nadu. During this workshop various other CSIR Technologies of CBRI, SERC, CGCRI and NPL have also been disseminated and showcased.

The chief guest of the inaugural function Dr. T. Ramasamy, Former Secretary, DST, Govt. of India highlighted the importance of such Enclave to integrate Industries & CSIR, to meet the Nation's expectation. Dr.Muraleedharan, Director, CGCRI in his address emphasized the importance of CSIR technologies for the industries & Society for creating new business. He praised the AMPRI's work on utilization of waste materials from various industries. CSIR-AMPRI exhibited hybrid composite materials, prototype product and Sisal fibre technology.

Dr. S.S. Amritphale, the then Acting Director, CSIR-AMPRI delivered lecture on "Cement free geo polymer concrete & Radiation shielding materials for civil infrastructure." Dr.AsokanPappu,Senior Principal Scientist, CSIR-AMPRI, Bhopal made presentation on "creating new industries & Entrepreneurship for manufacturing Hybrid green Composite materials for housing sector and recycling marble, granite and other industrial wastes." Other lectures from CSIR-CBRI, Roorkee, CSIR-NPL, New Delhi, CSIR-SERC, Chennai, Nanotech Innovations Pvt Ltd, Bengaluru, Swadeshi Science Movement, Delhi were also presented.

Industry-institute enclave on August 9

STAFF REPORTER

To ease the commercialisation of technologies in construction sector, an 'industry-institute Enclave' will be held at Hotel Le Meridian on August 9.

A press release from the Institute of Environmental Nanotechnology, Erode, said that to create employment for masses with an environmental awareness, Government of India and Council of Scientific and Industrial Research (CSIR) are focusing

on 'Make in India' and 'Clean India Mission'.

The initiative leads to realisation of advanced technology to develop new class of advanced materials to the society at large.

Hence the CSIR-Advanced Materials and Processes Research Institute, Bhopal, and Institute for Environmental Nanotechnology - Centre of Excellence, Delhi/Erode, are jointly organising the programme for construction industry.

Eminent speakers will

showcase their research products for commercialisation and create more ideas for research-cum-business opportunities.

The release said that this was a new venture and a unique opportunity for entrepreneurs, civil engineers, builders, architects, interior designers, polymer/ceramic/ environmental engineers, researchers and scientists in the district.

For details, log on to www.nanoient.org or contact 94863-07313.

CSIR PLATINUM JUBILEE TECHFEST CAPSULE EXHIBITION

CSIR organized Capsule Exhibition across the country as a part of the CSIR Platinum Jubilee Celebrations to make the masses acquainted with the contributions of CSIR in various fields. The venue for the 3 day (August 22-24, 2017) exposition was CSIR – AMPRI, Bhopal.

A large number of Students, dignitaries and entrepreneurs witnessed the display on the achievements of CSIR at one place. The display included early



Students Visiting Stalls

warning system for landslides developed by CSIR – CBRI, Roorkee, Swaraj, Sonalika and Krishishakti, which are very popular tractors of India, developed by CMERI, Durgapur, Amul Milk developed by CFTRI, Mysore using Buffalo milk were few of them.

The exhibition contained the exhibits on the achievements of CSIR in the areas of CSIR – 800(Social Intervention), Nurturing Human Resources, Intellectual Property and Entrepreneurship, Chemical and Petrochemical, Water, Ecology and Environment, Leather, Materials and Minerals, Energy, Healthcare, Aerospace, Engineering and Infrastructure, Agriculture and Floriculture, and Food and Nutrition.

At the Valedictory function Dr. Sudhir Kumar Goyal, Professor and Head, Deptt. Of Biotech nology, AIIMS, Bhopal was the Chief Guest. The Chief Guest visited the exhibition and also witnessed the work done by AMPRI. He, in his address, appreciated the important work done by AMPRI. Dr. SS Amritphale, the then Acting Director welcomed the guests and underlined the technologies developed by AMPRI in the areas of new materials and processes.

He underlined various technologies transferred by the institute to industries for commercialisation. These include Cement Free Concrete, Hammer tips for Sugar Mills High performance Hybrid Composite Materials, Silicon Carbide Reinforced Composite, Hybrid Wood Substitute Composite Materials (CM-WOOD), Advanced Hybrid Composite Wood and Wood Substitute Materials (AC Wood) and Knowhow for making the Paver Blocks from Copper Tailings.

सीएसआईआर-एम्प्री में कैप्सूल प्रदर्शनी आज से

भोपाल। नई दिल्ली की अग्रणी अनुसंधान एवं विकास संस्था वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद, सीएसआईआर के प्लेटिनम जुबली समारोह के अंतर्गत परिषद द्वारा विविध क्षेत्रों में सीएसआईआर की गतिविधियों से लोगों को परिचित कराने के उद्देश्य

से पूरे देश में कैप्सूल प्रदर्शनियों का आयोजन किया जा र श्रंखला में भोपाल के हबीबगंज नाका के पास स्थित सीएर प्रगत पदार्थ तथा प्रक्रम अनुसंधान संस्थान के कार्यालय में ए एग्जीबीशन का आयोजन मंगलवार से किया जाएगा। सुबह से शुरू होने वाली यह एग्जीबीशन 24 अगस्त तक शाम 5 दर्शकों के लिए खुली रहेगी।

दैनिक भास्कर, 22.8.2017)

एम्प्री में कैप्सूल प्रदर्शनी आज से

सीएसआईआर-सिटी रिपोर्टर एडवांस्ड मटेरियल्स एंड प्रोसेसेस रिसर्च इंस्टीट्यूट (एम्प्री) में 22 अगस्त से कैप्सूल एग्जीबिशन की शुरुआत होने जा रही है। देशभर एडवांस रिसर्च वाले 38 संस्थानों में यह एग्जीबिशन बारी-बारी से आयोजित की जा रही है। यह एग्जीबिशन 24 अगस्त तक जारी रहेगी।

दैनिक भास्कर, 23.8.2017

Event In City

साइंस की गुल्थी
साई सोर्पेट | बोट डालते समय
अंगुली में कौन सी इंक त्याई जाती
है, जो कई दिनों तक छूटती ही नहीं ?
गानी और हिम्स इंकर पर कोई असर
क्यों नहीं इटालते हम हो हो हो हो है।
गानी और हिम्स इस पर कोई असर
क्यों नहीं डालते? दूध का पावडर
कैसे बनाया जाता है? बयों यह
सालों तक खराब नहीं होता? बया
वजह है कि ताजा जुस आधे घंटे में
खराब हो जाता है और पैकेज्ड जुस
महीनों चल जाते हैं? इस तरह के
अनेक सवालों के जावाब मंगलवार
को एडवांस मटेरियल एंड ग्रोसेस
रिसर्च इंस्टीट्यूट (एग्मी) में शुरू
हुई कैप्युल एजीविशन में मिल।
सीएसआईआर के 75वें स्थापना
वर्ष को प्लेटिनम जुकली समानीह
के रूप में मना रहा है। जिसके तहत
इस एजीविशन में काउंसिल ऑफ
साईटिफक एंड इंडिस्ट्रियल रिसर्च के
देश भर में मीजूर 38 संस्थानों की
ओर से किए गार रिसर्च आदि को
प्रदर्शित किया गया। इस दौरान देश
के 20 शहरों में टेक फेस्ट कैप्युल
एजीविशन का आयोजन किया जा
रहा है। यहां 14 स्टॉल्स में जल,
कृषि, ईजीनियरीया, मोइसिन, जैसे
सेवटर से जुड़े इनोवेशन को दिखाया।

Exhibition in city to showcase India's most innovative inventions

More than 100 models to be on display from today

Bhopal: Do you know which organisation in-Bhopal: Do you know which organisation invented the ink used for casting a vote to prevent duplication? Have you ever heard about 50-seater plane India invented? Despair not if you haven't, because you can see all this and more at the capsule exhibition. The display of home-grown innovations has been organised

more at the capsule exhibition. The display of home-grown innovations has been organised by Council of Scientific and Industrial Research (CSIR) at Bhopal from Tuesday.

All 39 branches of CSIR are exhibiting their innovations in Bhopal, showcasing all achievements by this organisation in its 45 year journey. More than 100 innovative models will be presented here through audio-visual and poster.

The CSIR was established by the Government of India in 1942 is an autonomous body that has emerged as the largest research and development organisation in India.

Home-grown technology

Our organisation is working across many our organisation is working across many sectors such as pharmaceutical, aeronautical engineering, construction material and food technologies. We have invented technologies which are helping in national growth. We want to promote these technologies to accelerate technical growth of country.

COURTY.
-Dr SK Sanghi, senior principal scientist, CSIR

DB Post 22.8.2017

पीपुल्स समाचार 22.8.2017

वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंघान परिषद की प्रदर्शनी आज से

भोपाल। वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) के प्लेटिनम जुबली समारोह के अंतर्गत पूरे

आयोजन देश में कैप्सूल प्रदर्शनियों का आयोजन किया जा रहा है। भीपाल में यह प्रदर्शनी सीएसआईआर - प्रगत पदार्थ तथा प्रक्रम अनुसंधान संस्थान (एम्प्री) में 22 से 24 अगस्त तक लगेगी। इसमें 50 से अधिक स्कूल-कॉलेज के विद्यार्थी, अधिकारी एवं गणमान्य नागरिक शामिल होंगे यह प्रदर्शनी सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक दर्शकों के लिए खुली रहेगी।

पत्रिका, 22.8.2017

एम्प्री में आज से कैप्सूल एग्जीबिशन

भोपाल 🏿 काउंसिल ऑफ साइंटिफिक एंड इंडस्ट्रियल रिसर्च (सीएसआईआर्) के देशभर में 48 संस्थान कार्यरत हैं। सीएसआईआर प्लेटिनम जुबली समारोह अंतर्गत आमजन को गतिविधियों से परिचित करवाने के उद्देश्य से पूरे देश में कैप्सूल एग्जीबिशन का आयोजन किया जा रहा है। जिसके तहत भोपाल स्थित एडवांस मटीरियल एड प्रोसेस रिसर्च इंस्टीट्यूट (एम्प्री) में 22 से 24 अगस्त तक यह एग्जीबिशन आयोजित होगी। इसमें 50 से अधिक स्कूल और कॉलेज के स्टूडेंट्स हिस्सा लेंगे। इस एग्जीबिशन को आमजन भी देख सकेंगे। एग्जीबिशन सुबह 10 से शाम 5 बजे तक ओपन रहेगी।

CSIR to display Capsule Expos from today M Staff Reporter

COUNCIL of Scientific and Industrial Research (CSIR), New Delhi-Advanced Materials and Processes Research Institute (AMPRI) is organising Capsule Exhibitions across the country as a pair of CSIR Platinum Jubilee Celebrations' to make the masses arquainted with the contributions of CS in various fields. One of the cities chosen for the purpose is Bhopal The venue for three day exposition is CSIR (AMPRI). Students of root fields of the state of

Hitavada 22.8.2017 •

राज एक्सप्रेस 23.8.2017



केवाल। वेवानिक तवा अविशिक्त अनुसंघान परिषद सीएसआईआर देश की आणी।
अनुसंघान परिषद सिएसआईआर देश की आणी।
अनुसंघान परिषद सिएसआईआर देश की आणी।
अनुसंघान परिषद हिंदी सिंदी केवाल सिंदी की अपने में 38 संख्यान कार्यरत है।
औरस्यआईआर व्यक्तिम अनुसंघान मार्गेक के अतंपत परिषद दारा तिविधि को में
औरस्यआईआर व्यक्तिम अनुसंघान जनके प्रतिविधि करवान के उद्धारत में परिप्ता में
औरस्यआईआर विश्विप को आयोजन किया जा नह है। धोवान में वह प्रत्योंने के प्रवाद में
अपने प्रत्योंने को अयोजन किया जा नह है। धोवान में वह प्रत्योंने के प्रत्यों में में
पात प्रवर्शन के लिए रखी मई है। तीन दिवसीय प्रत्योंने का उत्यादन मार्ग तिवान परि प्रत्यों की लिए रखी मई है। तीन दिवसीय प्रत्योंने का उत्यादन मार्ग तिवान परि प्रत्यों की लिए रखी मई है। तीन दिवसीय किया मार्ग प्रत्योंने में प्रत्योंने के लिए रखी मार्ग में की प्रत्योंने के लिए रखी मार्ग सिंपर सिंपर सिंपर किया मार्ग प्रत्योंने में प्रत्योंने मार्ग सिंपर सिंपर की परिवर्ध में में किया मार्ग सिंपर सिंपर की परिवर्ध मार्ग सिंपर सिंपर में किया मार्ग सिंपर सिंपर मार्ग सिंपर मार्ग मार्ग सिंपर मार्ग मार्ग सिंपर मार्ग मार

नवद्गिया 22.8.2017

3 दिनी केप्सूल प्रदर्शनी 24 अगस्त तक

भोपाल। वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद द्वारा संस्था के अनुसंधान पार्षव द्वारा संस्था क प्लेटिनम जुबली समारोह के अवसर पर प्रवर्शनी लगाई जा रही है। सीआईएसआर की गतिविधियों से ज्यान के कोणंगावाक भेक करीवारंज साआइएसआए का सामाना संस्था के होशंगाबाद रोड, हबीबांज राष्ट्रा का ठारानाषाद राङ, ठबाषनाज नाका के पास स्थित एम्प्री भवन में तीन नाका क पास १स्थत एम्प्रा भवन भ तान दिवसीय केप्सल प्रवर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। प्रवर्शनी का उद्घाटन प्रमा विज्ञान एवं प्रोद्योग का उद्धाटन मप्र विज्ञान एवं प्रोद्योगिक परिषद के नत्र विसाम एवं अध्यामक पारवद क महानिदेशक हीं. नवीन चंद्री द्वारा किया मठाानवराक छ। भवाग व्यव अरा ाजवा गया। इसमें मानव संसाधन, रसायन प्रतं पट्टोकमिकत्स, जल, पर्यावरण एवं पट्टोकोमकत्स, जल, पयावरण एवं पारिस्थितिकी, चमड़ा, खनन एवं खिनेज, ऑतरिक्ष समेत कई विषयो पर महत्वपूर्ण जानकारी प्रस्तुत की गई अ पर भारत्वपूर्ण जानकारा अस्पूरा का १२ है। प्रदर्शनी दर्शकों के लिए 24 अगस्त तक सुवह 10 बजे से शाम 5 बजे तक

दैनिक जागरण, 23.08.2017

मिले इंजीनियरिंग, इनोवेशन और

ऊर्जा से जुड़े सवालों के जवाब

पत्रिका 23.8.2017

सीएसआईआर ने 75 सालों में देश को क्या-क्या दिया? एम्प्री में चल रही टेकफेस्ट कैप्सूल एउजीविशन में जानें... पर हो रहा समारोह विश्व में 12वां स्थान है सीएसआईआर का पश्चिका 🚒 🥶 रिपोर्टर

नवदुनिया 23.8.2017

दिखे नए वैज्ञानिक प्रयोग और उत्साह

प्रग<mark>त पदार्थ और प्रक्रम</mark> अनुसंधान में कैप्सूल एग्जीबिशन का आयो<mark>ज</mark>न

त्याराना नवस्तुनाया संपादर पूर्वकानिक प्रयोग जी विज्ञान विवय के प्रति युवाओं का उस्तास्त नेगारावार को देखने मिरा। प्रतार पार्यो और प्रक्रम असुसंभात संस्थान में विज्ञानिक और जीविमाना परिषद् (चीएसराईआर) की प्लेटिना जुबलो पर क्रम्यूल पार्वाविकान के आयोजन निव्याना जहां हर कोई विज्ञान के नए प्रयोग की जानाने के लिए उस्तुक था। कार्यक्रम में प्रगत पार्यार्थ कीर प्रक्रम असुसंभात संस्थान के निरोशक की. एसएस असुस्थान संस्थान के निरोशक की. एसएस असुस्थान संस्थान के निरोशक की. एसएस असुस्थान संस्थान के निरोशक की. सुस्तार असुसंभात संस्थान के निरोशक की. सुरस्ता असुसंभात संस्थान की.



पीपुल्स समाचार 23.8.2017 🔾

कैप्सूल प्रदर्शनी में पर्यावरण, स्वास्थ्य की जानकारी दी

भोपाल। वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद द्वारा मंगलवार को कैप्सूल प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। यह प्रदर्शनी प्रगत पदार्थ तथा प्रक्रम अनुसंधान संस्थान में लगाई गई है। तीन दिवसीय प्रदर्शनी का उद्घाटन मप्र विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् के महानिदेशक डॉ. नवीन चंद्रा ने किया। प्रदर्शनी के माध्यम से सीएसआईआर-800 (सामाजिक उपयोगिता) मानव संसाधन, इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी, रसायन एवं पेट्रोकैमिकल्स, जल, पर्यावरण एवं पारिस्थतिकी, चमड़ा, खनिज एवं खनन, ऊर्जा, स्वास्थ्य की देखभाल के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की जानकारी प्रस्तुत की गई।

Hitavada 25.8.2017

SIR Platinum Jubilee Techfest Capsule Exhibition concludes



पोस्टर के जरिए जानी वैज्ञानिकों की उपलब्धियां और नए प्रयोग

नवदुनिया 25.8.2017

प्रगत पदार्थ और प्रक्रम अनुसंधान में एग्जीविशन का समापन

एनजीं और मेटेरियल

युवाओं के वैज्ञानिक प्रयोग रिसचेर अभिषेक बीर्साइवा ने जानकारी दी कि, हर सहत बड़ी मात्र में फलाई एक वेस्ट मटेरीयल के रूप में निकलता है। दुनिक भा में इसकी मात्रा करीब 185 मिलियन टन तक

10

CSIR Platinum Jubilee Techfest Capsule Expo to conclude today

COUNCIL of Scientific and Industrial Research (CSIR) is a dealing R and D organisation of the country with 38 premium institutes spread across the country as a part of the CSIR Platinum Jubilee Celebrations to make the masses acquainted with the contributions of CSIR in various fields. The venue for the 3-day (August 22 to 24, 2017) exposition is CSIR-Advanced Materials and process Research Institute, Bhopal. A large number of students; dignitaries and entrepreneurs witnessed the display on the achievements of CSIR at one place. The early warning system for landslides is important today when we are regularly facing the natural calamity in the hilly areas. The sys-tem is developed by CSIR-Central building Research Institute, Roorkee, and is successfully implemented in North - Western Himalayas. CBRI Roorkee has also done important work in the area of substitution of wood by industrial wastes. This, on one side reduce the cutting of trees and on the other side curb the pollution caused by hazardous indus-

trial wastes.
Central Mechanical
Engineering research institute (CMERI) Durgapur has
developed Swaraj, Sonalika
and Krihishakti, which are
very popular tractors of

Similar to the above Amul Milk developed by central food technology research institute, Mysore using buffalo milk if extremely popular. The exhibition contains the exhibits on the achievements of CSIR in the areas of CSIR – 800 (social Intervention), Nurturing Human resources, intellectual property and entrepreneurship, chemical and petrochemical, water, ecolo-

gy and environment, leather, materials and minerals, energy healthcare, aerospace, engineering and infrastructure The exhibition will conclude on August 24.





राज एक्सप्रेस 25.8.2017



भेपाल। सीएसआईआर प्लेटिनम जुबली समाराह के अपनात स्विध्य हों में विविध क्षेत्रों में सीएसआईआर की गतिविधियों से जन-जन को परिवित करवाने के उद्देश्य पूरे देश में कैप्सूल जन-जन को परिवित करवाने के उद्देश्य पूरे देश में कैपसूल प्रदर्शनियों का आयोजन किया जा रहा है। यहां यह प्रदर्शनी प्रदर्शनियों का आयोजन किया जा रहा है। यहां यह प्रदर्शन हैं। सीएसआईआर प्रगत पदार्थ तथा प्रक्रम अनुसंघान संस्थान, सीएसआईआर प्रगत पदार्थ तथा प्रक्रम को हुआ। बड़ी संख्या में रखी गयी थी। जिसका समापन गुरुवार को हुआ। बड़ी संख्या में रखी गयी थी। जिसका समापन गुरुवार को हुआ। बड़ी संख्या में रखी गयी थी। जिसका समापन गुरुवार को उपलिख्यों एवं व्यवसायियों ने एक ही स्थान पर सीएसआईआर की उपलिख्यों को लाने वाली इस प्रदर्शनी को देखा। समापन समारोह में डों. के लाने वाली इस प्रदर्शनी को देखा। समापन समारोह में डों. को लाने वाली इस प्रदर्शनी को था। मुख्य आतिथ ने प्रदर्शनी का भ्रमण भीपाल मुख्य अतिथि थे। मुख्य अतिथि ने प्रदर्शनी का भ्रमण का और एमी के हाता किया और एमी के हाता किया और एमी हारा विकसित प्रौद्योगिकियों को स्वागत किया और एमी हारा विकसित प्रौद्योगिकियों को रखाकित किया।



राज एक्सप्रेस 24.8.2017 🔾

JIGYASA - SCIENCE TEACHERS' WORKSHOP

As a significant milestone event CSIR has signed the MoU with Kendriya Vidyalaya Sangthan on 06 July 2017 to launch "Jigyasa" programme in the gracious presence of Honáble Minister of HRD and of Honáble Minister for Science & Technology and Earth Sciences, and Environment, Forest and Climate change. Jigyasa envisages a wide ranging Scientist - Students Connect programmes as per various models proposed in the MoU.

A School Connect programme was organsied in the pilot scale during the summer vacation period (May - July, 2017) for a period of 3-5



Science Teachers' Workshop

days. As a result, CSIR and KVS signed a MoU targetting at enhancing 'Scientific Temper' of the school children. The aim of this MoU is to connect CSIR Institutes with School Students to develop 'Scientific temper' in the young minds. This will help in nurturing scientific quotient of the students.

The scope of management of Jigyasa are CSIR Foundation Day, Environment Day, World Health Day, National Science Day, International Day of Chemistry, National Technology Day, Lab Specific activities/ Onsite experiments, Visits of scientists to Schools/Outreach Programme, KVs Hosted within CSIR, Popular Lecturer Series/ Demonstration Programme at School, Student Apprenticeship Programme, Science Exhibitions, Project of National Children's Science Congress, Science and Maths Club, Scientists as Teachers and Teachers as Scientists, Teachers Workshop, Students Residential Programmes, Publication of Student Articles in CSIR Journals, Summer Vacation Programmes etc.

As a part of the programme a Science Teachers' Workshop was organised during December 21-22nd 2017



दैनिक भास्कर, 22.12.2017



KNOWHOW TRANSFER OF NANOADSORBENT BASED DOMESTIC FILTER



Technology Transfer of the Filter

CSIR -AMPRI, Bhopal transferred the technology of nanoadsorbent based Fluoride and Arsenic removal from drinking water to m/s MW Social Enterprises Private Limited, Indore on January 1, 2018. Long term consumption of water containing excessive fluoride causes fluorosis that affects teeth, bones, joints and ultimately leads to crippling of the body. Similarly, consumption of high arsenic contaminated water results in arsenicosis, that start cancerous effect to skin and other soft organs in the human body. More than 100 million

people are suffering from fluorosis and arsenicosis problems in different parts in India. CSIR-AMPRI is working on the development of nanoadsorbent based filter useful for arsenic and fluoride removal at household level and has developed this technology successfully. The developed nanoadsorbent based defluoridation domestic filter can work without electricity with 1 - 3 liter per hour filtration rate. Methodology based on nanocoating for the incorporation nanoadsorbent in to the sediment removal filter is a new concept in order to provide simple filtration device at household level. CSIR - AMPRI has also succeeded the synthesis of low cost nanoadsorbent (~600 INR/kg). Because of regeneration quality of the nanoadsorbent, fluoride and arsenic adsorbed saturated filter can be regenerated three to four times. This will reduce the treatment cost substantially. After three times regeneration, treatment cost of water is estimated to be around 15-20 paisa/lit for fluoride removal and 4-5 paisa/lit for arsenic removal. The treatment cost of higher fluoride (3 ppm and above) and arsenic (50 ppb and above) containing water may increase in the same ratio further depending total dissolved solid and pH of water. The developed filter is user friendly as one has to simply pour contaminated water in the overhead tank attached to nanoadsorbent containing filters and get fluoride / arsenic treated water from the outlet of the filter. Treated water is free from any secondary contamination and maintain all desirable minerals of water as per BIS.

At the outset of the function , Dr AK Srivastava, Director, CSIR – AMPRI, Bhopal highlighted the achievements of the Institute. He said that AMPRI will be putting every effort for dissemination of its technologies to the users.

Sh. Mankaj Kumar Singh, Director, MW Social Enterprise Pvt. Ltd. in his address said that AMPRI has an understanding of technology and expressed happiness over this collaboration.

Dr. S.K.S. Rathore, Sr. Principal Scientist proposed the vote of thanks.

पत्रिका 2.1.2018

सीएसआईआर एम्प्री ने तकनीक का किया हस्तांतरण

अब बिना इलेक्ट्रिसटी भी साफ होगा पानी



ख्य ऐसी राजनीय है जो बिजा बिजर्म के एक से रीज तीटर पान करा है। प्रतिपंदा फिरन्ट्रिक कर साम है। सब ही करना केले एटलोक्टर बनाय है, फिरन्ट्री पान के हीटलोट बनाय बन्दा कम हो जात है। व्यक्त के बन्दा कम हो जात है। व्यक्त के एटलोक्टर केलेक्ट्रिक पान्यूमी का है उसके क्यार की कर टीज्येक्ट्रिक के बाद पात कर परिचरेट करा बीटर पी तीटर असीवाक क्रिक्ट्रिक पर अस्ति रीटर असीवाक क्रिक्ट्रिक पर अस्त्र रीटर असीवाक क्रिक्ट्रिक पर अस्त्र व्यक्ट फिटनट कोडन पुरस फैटली है. यह ऐसी तकनीक है जो बिना बिजली

जैसे प्रलेग्डड प्रदक्षित पाने ओयरहेंड टैंक से सीचे फिल्टर मोडम में आता है और शुद्ध पाने मोडम के आउटपुट से विकल्सा है जिसे बाल्टी में इकड़ा नकलता रु छात बाल्टा म इकश कर पीने तथा खाना बनाने में प्रयोग कर सकते हैं।

दैनिक भास्कर 2.1.2018

एम्प्री में चिकसित टेवनोलॉजी

पानी से निकाल देगी पलोराइड और आर्सेनिक एनुरोज्शन रिपोर्टर | भोपाल

पीपुल्स समाचार 2.1.2018

सीएसआईआर ने नैनो एडसोबेंट फिल्टर तकनीक का किया हस्तांतरण

कैंसर व पलोरोसिस जैसी बीमारियां रुकेंगी

पीपुल्स खंवाददाता **ब** सो.नं. 9893231237

प्रगत पदार्थ तथा प्रक्रम अनुसंघान संस्थान (सीएसआईआर- एम्झी) ने पानी से फ्लोगडड और आर्सेनिक निकालनेकी नैनोएडऔर आधारित निकालने की नेनो एडसाकंट आधारत फिल्टर टेक्नोलॉजी को एमडब्ल सोशल इंटरप्राइजेंज इंदीर को इस्तांतरित किया। इस तकनीक से एकोरोसिस जैसी बीमारियों को

रलोगोसम जैसी बीमारियों की आसानी से रोका जा सकता है। सीएसआईआर के निदेशक डॉ. एक ब्रीसास्थ्य ने बताबा कि स्थीकार्य माज से अधिक माज योन के मानी में होने पर फ्लोगोसिस जैसी च्यानक बीमारी से दांतों का संखारण होता है,



सीएसआई आर में तकनीक के आदान-प्रदान पत्र सींपे गए। सीरसञ्जई अपने संक्रानीक के आपटा-प्रधान प्रश्नित गए। होइड्खों सखा उनके जीड़ कमनेतर हो। कैसर हो जाता है। चारत में इन जाते हैं। इसी तर ज्याद आर्थितिक सी मार्थियों में दश करोड़ हो भी ज्यादा जुक्त पानी भीने ने आर्थितिकारिया हो। त्यादा अर्थित हों। विश्वत स्वार्ग में जुक्त पानी भीने ने आर्थीकारिया हो। त्यादा अर्थित अर्थित करों ज्यासक सीमारी हो। जाती है। इसी मर्च रोम तथा समेर के कई अरयार्थ में ज्ञानिकारक प्रमान से क्याने हेतु पानी

से इनकी मात्र कम करने के लिए विभाग तह को प्रोक्षीयिकायों का विकास किला जाया, विकास अभी शक कोई पूर्व तह से करना नहीं जहां विकास किला पांची की जाया विकास कर के लिए की की का करने के लिए कि के की का करने के लिए कि में की का करने के लिए की में स्वीकार्य मानक से आंक्षक प्रतिग्रह्म को कम करने और सत्ते ने नीए की से स्वीकार्य मानक से आंक्षक प्रतिग्रह्म को कम करने और सत्ते ने नीए की की करने और सत्ते ने नीए की का करने और अमारित पांची का घरेंग्यू किल्टरा बनाने सफलता प्राप्त को है। स्विम्ह अर्थ अर्थ के स्वर्णका के विकास विकास के एक से तीन लीटर पानी एक पटि से फिल्ट्रेनन किया सकता है।

Tue, 02 January 2018 epaper.patrika.com//c/25079462 पीपल्स समाचार 2.1.2018 🔾

CSIR-Advanced Materials and Processes Research Institute (AMPR), Biopad has transforred the technology of nanoabsorbent based. Broide and arsenic removal ferroral ministry water to MW Social Enterprises Private Limited.

Long-term consumption of

Long term consumption of Long-term consumption of water containing excessive fluoride causes fluororis that affects teeth, borns, joints and utiliantly, ideas or crippling of the body. Similarly, corresumption of light amenic contaminated water results in amenicanis problems in ngs i amenicco reasimameri water results in arsenicasis problems in different parts in India. Many tarbundantae hann bann

different parts in India.

Many technologies have been developed for the treatment of drinking water, but none could sake drinking water at household level. The inventor of the tech-

Quality of drinking water to improve

cology Dr 18 Singh is working on the development of nanoabsorbent-based directive useful for arsenic and fluoride removal at household level and has doveloped this technology transfer. It is expected that millions of livre will be saved from favorosis and such costs problems. The developed nanoabsorbent-based defined nanoabsorbent-based design and the developed nanoabsorbent-based design and the developed nanoabsorbent-based design and the developed nanoabsorbent filter can work without electrically with 1-3 litre per hour filtration mee. Methodogybased on nanocoating for the incorpofiltration use. Methodology based on narocoating for the incorpo-ration of nanoabsorbent into the sediment removal filter is a new concept in order to provide sim-ple filtration device at household level.

Due to regeneration quality of Live to regeneration quality of the nanoalesorbent, fluoride and arsenic absorbed saturated fifter can be regenerated three to four

in the same of the anaintain all desirable minerals of water as per BIS. At the outset of function, Dr A K Srivastava, Director, CSIR AMPRI, Bhopal highlighted the achievements of the institute. Senior Principal Scientist Dr S K S Rathore processed the vote of thanks. posed the vote of thanks.

सीएसआईआर के उपक्रम एडवांस मटेरियल एंड प्रोसंस रिसर्च इंस्टीट्यूट भोपाल द्वारा विकसित नई टेक्नोलीजी पानी से फ्लोरहड़ और आसीनक निकालकर इसे पीने लायक बना देगी। एम्मी के वैज्ञानिक खें. आईबी सिंह ने पानी मोजूद फ्लोराइड की अधिक मात्रा नामानाजूब वराहरहरू का जावक नामा को कम करने और नैनोएडसोबॅन्ट का कम करन जह नगाएक जनाने आधारित पानी का घरेलू फिल्टर बनाने की तकनीक बनाने में सफलता प्राप्त की है। एम्सी द्वारा यह टेक्नोलॉजी का हा एक्सा करा वह द्रवताताला इंदौर की कंपनी एमडब्ल्यू सीशल इंटरप्राइजेस को ट्रांसफर की गई है। पीने के पानी में फ्लोराइंड की

मात्रा मानक से अधिक होने पलोरोसिस जैसी बीमारी होने खतरा होता है। इससे दांतों का क्षरण तो होता ही है साथ ही हड़ियां भी ा। ठाता ठा ठ ताज ठा ठाडा गा कमजोर हो जाती है। वहीं आसीनक युक्त पानी पीने से आसीनकोसिस जारा जाता का जालातकालल नामक बीमारी होती है जिससे चर्म नामक जामारा ठारा रोग और केंसर तक होने का खतरा बद जाता है। एम्प्री के वैज्ञानिकों का नम् जारा। ठा पुन्ता क जुजानका का कहना है कि पानी में फ्लोराइड और आसंनिक की मात्रा कम करने के जालावर की नाता कर करें। हित्र सालों से टेक्नोलॉजी विकसित् करने पर काम चल रहा है। एम्प्री के वैज्ञानिक डॉ. आईबी सिंह काफी क वशानक आ. जाल्ला खिरु काफा समय से पानी में स्वीकार्य मानक स अधिक फ्लोराइड को कम करने और सस्ते नेनाएडसीबेंन्ट बनाने पर शोध सस्त ननाएडसाबन्ट बनान पर्वार कर रहे थे। उन्होंने नेनोएडसोबेंन्ट कर रह था उन्छान ननाएङलाबन्ट आधारित पानी का घरेलू फिल्टर बनाने में सफलता प्राप्त की है।



नई दुनिया 2.1.2018

Times of India, Bhopal 27-8-2017

Low-cost water filter that may save millions

Bhopal: After 10 years re search, a senior principal scientist of CSIR AMPRI, Bhopal, has developed a domestic water filter model that not only runs without electricity but alruns without executions socosts next to nothing, innovation would

come as a boon in villages of Shivpuri district in Madhya Pradesh, were people don't get marriage proposals because of high level fluoride. Over 70 million people in India suffer from problems caused by fluorosis. According to the inventor,



The domestic water filter model developed by Dr I B Singh (inset)

Dr I B Singh, it will cost only 10-20 paise per litre, putting it within reach of BPL families. Fluoride is beneficial in prevention of cavities and strengthens the skeletal system, but long-term consumption of water containing excessive fluoride causes fluorosis that affects teeth, bones, joints and ultimately leads to crippling of the body he said.

"Many districts in the state have this problem. My innovation will solve it to a large ex-tent," he told TOL The 'na-noadsorbent' based filter can process1litre to3litre per hour The methodology, based on nanocoating the sediment-re-moval filter is a new concept and can be used at the domestic

household level, the scientist told TOI, adding that he has succeeded in synthesising the low-cost nanoadsorbent at Rs 600 a kg. "Because of the regeneration quality of the nanoadsorbent, two filters, each con-taining 250gm nanoadsorbent, can treat 1.200-2.000 litre water that have 2 to 3.5 ppm fluorid with around 400 ppm dissolved solid . This volume of treated water is sufficient for the drinking and cooking needs of a 45-member family for 2-3 months," Dr Singh said.

▶ Continued on P 4

O Dainik Jagran New Delhi, 15.5.2018

ग्रामीणों को फ्लोरोसिस से बचाएगा सस्ता नैनो फिल्टर







Jammu

Gadget could benefit millions

▶From P1

fter thrice regeneration, treatment cost of water is estimated to be around 20 paise per litre, he added. Dr Singh has also made a comprehensive environmental management plan to make the technology eco-friendly.

The exhausted nanoadsorbent can be used in paint and ceramic tiles and desorbed fluoride can be converted to pure calcium fluoride by community treatment which can be used in aluminium-metallurgy -making industries, he says.

This gadget would prove beneficial to millions in the country. A survey in 2001 found that more than 70 million people in 19 states - including Madhya Pradesh, Andhra Pradesh and Rajasthan - were suffering from fluorosis. Now, the number may have crossed 100 million, TNN



Varanasi





Allahabad

AGREEMENT WITH BARKATULLAH UNIVERSITY

CSIR- AMPRI and Barkatullah University, Bhopal have entered into an agreement today for enhancing science environment in the country. The area of mutual interest involves Applied Chemistry, Chemo – Information, Civil Engineering, Computer Engineering, Bioscience & Environmental Science, Applied Physics & Nanotechnology, Electronics and Communication, Remote Sensing, Electrical Engineering, Mechanical Engineering, Robotics and Rural Technology.



Signing of Agreement

The understanding also has component of exchange of faculty, skill development activities, students exposure. Further, it also includes joint research project proposals, organization of Seminars/Symposia / Conferences etc.

पत्रिका प्लस 26.01.2018

रिसर्च फील्ड में साथ काम करेंगे एम्प्री और बीयू भोपाल • विज्ञान में शोध के वातावरण में वृद्धि के उद्देश्य से सीएसआईआर-एम्प्री और बरकतङ्ला विश्वविद्यालय रूमा जार जलगण्यस्या ।जरजानवासम के बीच गुरुवार को एक अनुबंध पर हस्ताक्षर हुए। इसके तहत एप्लाइड कीमो-इफोमेंशन, कमरूप, कामा-इकामराव, ालावरा इंजीनियरिंग, कम्प्यूटर इंजीनियरिंग, बायो र्याः पर्वं पर्यावरण विज्ञान, एप्लाइड साइस एवं पर्यावरण विज्ञान, एप्लाइड साइस एवं पर्यावरण विज्ञान, भौतिकी और नैनोटक्नोलॉजी, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार, स्मिट सेंसिंग, विद्युत् इजीन्यित्ति, स्माट सार्सा, विद्युत् इजीन्यित्ति, मेकेनिकल इजीन्यित्ति, रोबोटिक्स एवं ग्रामीण जुला नारा, राजाप्यत रूप जानारा प्रौद्योगिकी आदि के क्षेत्र शामिल हैं। इस श्राचापाला जाप प्राप्त प्रकल्टी का अनुबंध के अंतर्गत फैकल्टी का आधार-४५।7, काराज गतिबिधयां, विद्यार्थियों की ज्ञान वृद्धि भी गताबाजवा, जिल्लावा वर्ग सार पूर्वे के स्मिन्स स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स का आयोजन भी किया जाएगा। Tri, 26 Jai paper.pat पीपुल्स समाचार 26.01.2018 🔾

बीयू में होगा विज्ञान कांग्रेस का आयोजन

नीएसआई आर एम्प्री और बीयू के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर

पीपुल्स संवाददाता 🎱 भोपाल मो.नं. 9893231237

सीएसआईआर एम्प्री व बरकतउल्ला विश्वविद्यालय (बीयू) के बीच गुरुवार को एमओचू पर हस्ताक्षर किए गए। इसका उद्देश्य देश में विज्ञान भोधको बढ़ावा देना है। बीयू में शिक्षा एवं अनुसंधान को लेकर भी कई योजनाओं का शुभारंभ किवा गया।

दो दिन से स्थल निरीक्षण के लिए आई इंडियन साइंस कांग्रेस की टीम ने वर्ष 2019 में वह आयोजन बीच करने पर सहमति जताई है। इस अवसर पर इंडियन साइंस कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल के सदस्य प्रो. मनोज



चक्रवर्ती, प्रो. निवेदिता चक्रवर्ती, प्रो. अशोक सक्सेना, प्रो. विजय लक्ष्मी सक्सेना, सीएसआईआर एम्प्री निदेशक डॉ. एके श्रीवास्तव एवं कुलपति प्रो. प्रमोद कुमार वर्मा उपस्थित थे। इस अनुबंध के अंतर्गत फेकल्टी का आदान-प्रदान, कैशल्ल विकास गतिबिधियां, विद्यार्थियों की ज्ञान वृद्धि भी शामिल होंग।

२०१९ में होगा आयोजन, हरी झंडी मिली

वर्ष 2019 में बीयू में अखिल भारतीय विज्ञान कांग्रेस के आयोजन को हरी इसंडी मिल गई है। यह आयोजन बीयू की मेजबानी में होगा। कुलपित्र प्रो. वर्मा ने कहा कि ग्लोबल से लोकल तक तकनीकी ज्ञान सुलभ करने की यह महात्वाकांश्री कोशिश है। हमारा प्रयास होगा कि तकनीक को शहर से गांव तक सर्वसुलभ बना सकें। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. यूएन शुक्ल भी उपस्थित थे। कार्यक्रम में विवि की पत्रिका 'यूनिवर्सिटी न्यूज लेटर' का विमोचन किया गया।

PRODUCT LAUNCH OF HYBRID GREEN COMPOSITE MATERIALS

A new class of hybrid green composite materials were launched to the society at CSIR-AMPRI, Bhopal on January 29, 2018 in the presence of Prof. Vikram Kumar, Hon's Professor, IIT, Delhi and former Director of SSPL (DRDO) and Director, CSIR-NPL New Delhi, Dr.Avanish Kumar Srivastava, Director, CSIR – AMPRI, Bhopal and Shri P.R. Chauhan the CEO of M/s. Sidhhi Poly Matrix, Maharashtra.

In the programme, at the outset Dr. Avanish Kumar Srivastava, Director, CSIR – AMPRI welcomed the guests and highlighted the event. Prof. Vikram Kumar appreciated the technology and congratulated AMPRI on the occasion. Shri P. R. Chouhan highlighted the qualities of the product. Dr. P. Asokan, Sr. Principal Scientist, AMPRI proposed the vote of thanks.

This new material is free from termite, fungus, insects, corrosion, fire and moisture attack. The major raw materials required for manufacturing these materials are natural fibres, polymer and industrial waste particulates such as marble wastes or thermal power plant fly ash or aluminium industry bauxite residues.

The innovative materials have showed variety of applications potential for use as doors, false ceiling, floors tiles, wall tiles, partition and furniture. As compared to teak wood, the materials are almost four times stronger and about 40% cheaper in price. These are highly durable, environment friendly, and have ample scope for use in variety of multifunctional applications in housing, construction and civil infrastructure. Realization of this technology is expected to contribute to Make in India, Clean India, Skill India Mission Programmes followed by creating employment and income. This technology now has been overcome all issues pertaining to weight, price, aesthetic and other properties and is ready for commercialisation internationally.

The hybrid green composite technologies have been licensed, recently, to three industries, on non exclusive basis, in India namely: (i) M/s. Siddhi Poly Matrix, Maharastra, (ii) M/s. VSM Industries, Gujarat and (iii) M/s. Eco-Bright Sheet Co. Pvt. Ltd., Bhilai, Chhattisgarh. One of the industries, M/s.

Siddhi Poly Matrix, Chandrapur, Maharashtra has started the production on commercial scale.

The materials have showed superior performance than conventional plywood in terms of mechanical strength, glue adhesion, finishing and other relevant properties. As per BIS guidelines (BIS IS:303:1989), the test results showed that it absorbs less than 0.3 % moisture and resists and avoid fungus, termites and insects attack, whereas commercially available wood and synthetic wood absorbs 5-15 % moisture. The mechanical strength of the material is also far better than the traditional materials.



Product launch by Prof. Vikram Kumar & Dr. Avanish Kumar Srivastava

पत्रिका 30.01.2018

सांगौन से ४ गुना मजबूत है

ग्रीन कम्पोजिट मटेरियल

नवदुनिया 30.01.2018 🔾

आविष्कार सीएसआईआर प्रगत पदार्थ तथा प्रक्रम अनुसंघान संस्थान (एम्प्री) में प्रोडक्ट लॉविंग और व्याख्यान का आयोजन हाइब्रिड ग्रीन कंपोजिट उत्पाद पर नहीं होता मौसम का असर

कट्चे माल और अपशिष्ट पदार्थों से निर्माण समर्टस ने बताया कि उत्पानों के निर्माण समर्टस ने बताया कि उत्पानों के निर्माण समर्टस ने बताया कि उत्पान प्रकृतित स्वर स्वर्णिस अधिमक अपशिष्ट स्वर सीतमर अधिक्षट, तथा विद्वत

सीएसआईआर-एम्प्री का नया इनोवेशन

सीएसआईआर-एम्प्री में सोमवार को नए हायब्रिड ग्रीन कम्पोजिट मटेरियल्स को समाज के लिए समर्पित महारिक्स को गया। यह कम्मोजिट सामग्री दरबाजे, फॉल सीलिंग, फर्श टाइल, दीबार टाइल, पार्टीशन और फर्नीचर आदि विकल्प के तौर पर प्रयोग में लाई जा सकेगी। यह सागौन की लकड़ी की तुलना में चार गुना मजबूत और कीमत में लगभग 40 प्रतिशत तक सस्ता होता है। एक ओर यह बेहद टिकाऊ है, वहीं पर्यावरण के अनुकूल भी है। इस अवसर पर प्रो विक्रम कुमार, डॉ. अवनीश कुमार श्रीवास्तव उपस्थित रहे।

मेक इन इंडिया को मदद

इस मौके पर बताया गया कि सीएसआईआर एम्प्री वे हाइब्रिड ग्रीन कंपोजिट पदार्थ का एक नया का विकसित किया है जो दीमक कवक, कीड़े, जंग, अग्नि और नमी के आक्रमण से मुक्त है। इस तकनीक के बाजार में आने से मेक इन इंडिया, क्लीन इंडिया, रिकल इंडिया मिखन प्रोग्राम में मदद होगी और लोगों के आय में वृद्धि भी होगी।

स्टार्टअप्स को लाइसेंस

व्यावसायिक उत्पादन के लिए इस प्रौद्योगिकी का लाइसेंस देने के लिए उद्यमियों और स्टार्ट अप्स का स्वागत किया गया है। लाइसेंस के एक भाग के रूप में प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। अधिक जानकारी के लिए उद्यमी सीएसआईआर-एमप्री में संपर्क कर सकते हैं।



स्टार्टअप्स के लिए हाइब्रिड ग्रीन कुम्पोजिट बनेगा मददगार

एक्ट्री में हुआ व्याख्यान का प्रायोजन

यंग रिपोर्टर • भोपाल

सोमवार सबह सीएसआईआर प्रगत पदार्थ तथा प्रक्रम अनुसंघान संस्थान (एम्प्री) में व्याख्यान का आयोजन किया गया। जहां हायब्रिड ग्रीन कंपोजिटमटेरियल्सके बनेकई उत्पाद की जानकारी दी गई। सभी एक्सपटर्स ने हाइब्रिड ग्रीन कंपोजिट उत्पादों के कि उत्पादों के निर्माण के लिए मुख्य तौर पर कच्चे माल, प्राकृतिक फाइबर पॉलिमर, औद्योगिक अपशिष्ट पदार्थ, संगमरमर अपशिष्ट, ताप विद्युत संयंत्र की फ्लाई ऐश, बॉक्साइट अवशेष का उपयोग किया जाता है। कंपोजिट उपयोग कियो जाती है। केपाजिट सामग्री में दरबाजे, सीलिंग, फर्श टाइल, दीवार टाइल, पार्टीशन और फर्नोंचर मुख्य होते हैं। सागौन की लकड़ी की तुलना में हाइब्रिड ग्रीन कंगोजिट उत्पाद ज्यादा टिकाऊ होते हैं। यह उत्पाद चार गुना मजबूत और 40 प्रतिशत तक सस्ते होते है। यह बेहद टिकाऊ, पर्यावरण के अनुकूल हैं. और इसमें आवास, निर्माण और नागरिक अवसंरचना में विभिन्न प्रकार के बहुआयामी अनुप्रयोगों में उपयोग के बहुआवाना अनुप्रवाचा ने उत्ताच के लिए पर्याप्त अवसर हैं। इस तकनीक के बाजार में आने से मेक इन इंडिया, क्लीन इंडिया, स्क्लि इंडिया मिशन प्रोग्राम में सहयोग की आशा तथा रोजगार और आय में वृद्धि भी अपेक्षित है। साथ ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसे व्यवसाय के लिए तैयार किया जा रहा है। इस मौके पर प्रो. विक्रम कुमार, एम्प्री निदेशक डॉ. अवनीश कुमार श्रीवास्तव, पीआर चौहान मौजूद रहे।

पीपल्स समाचार, 30.01.2018

दैनिक भास्कर , 30.01.2018

एम्प्री में तैयार फायर प्रूफ मटेरियल, जंग भी नहीं लगता

रिवड़की-दरवाजे बनाने के काम आने वाला यह हाईब्रिड ग्रीन कंपोजिट मटेरियल लकड़ी से 40% सस्ता

काइम रिपोर्टर भोपाल

हाईब्रिड ग्रीन कंपोजिट मटेरियल से बनने वाले खिड़की, दरवाजे और शीट पर आग, पानी, दीमक, कीड़े और जंग का कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। इस मटेरियल को बनाने में एडवांस मटेरियल एंड प्रोसेसिस रिसर्च इंस्टीट्यूट (एम्प्री) के वैज्ञानिक डॉ. पी. अशोकन ने सफलता हासिल की है। यह मटेरियल प्रमुख रूप से कच्चे माल, प्राकृतिक फाइबर, पॉलीमर और औद्योगिक अपशिष्ट पदार्थी जैसे संगमरमर के वेस्ट, फ्लाई ऐश या एल्युमिनियम उद्योग के बॉक्साइट के अवशेष से तैयार किया जाता है। जहां इससे इसकी लागत अन्य मटेरियल से 40 फीसदी कम होती है। वहीं लकड़ी, प्लाइवुड और अन्य मटेरियल से यह चार गुना तक बेहतर है।



10 साल में सभी जगह होगा उपयोग

एम्पी के वैज्ञानिकों ने इस तकनीक को अमेरिका से पेटेंट कराया है। यह मध्यप्रदेश ही नहीं भारत के लिए भी एक बड़ी उपलब्धि हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि जिस तरह जंगलों की कटाई की जा रही है, उससे प्रकृति को काफी नुकसान पहुंचा है। इसका एकमात्र विकल्प हाईब्रिड ग्रीन कंपोजिट मटेरियल का अधिक से अधिक उपयोग है।

एम्प्री के वैज्ञानिकों को इसे तैयार करने में 12 साल से अधिक का समय लगा। आने वाले समय में इस मटेरियल से पानी के जहाज का निर्माण किया जाने की योजना पर भी रिसर्च की जा रही है। सोमवार को आईआईटी, दिल्ली के पूर्व प्रोफेसर विक्रम कुमार, निदेशक एम्प्री डॉ. अवनीश कुमार श्रीवास्तव और मेसर्स सिद्धी पोली मैट्रिक्स, महाराष्ट्र की एक कंपनी के सीईओ पीआर चौहान भी मौजूद थे।

इसलिए नहीं होता यह खराब

हाईब्रिंड ग्रीन कंपोजिट 0.3% से भी कम नमी सोखता हैं, जबकि लकड़ी और सिथेटिक लकड़ी 5 से लेकर 15 प्रतिशत तक नमी सोख लेती है। इसके कारण यह फंगस, कीड़े से खराब होने से बच जाता है।

INSTITUTE - INDUSTRY MEET ON AGRO WASTE

AGRO WASTE TO WEALTH: TOWARDS SOLVING THE PROBLEM OF HARYANA, PUNJAB, DELHI AND NCR

An Institute - Industry Interaction meet on agrowastes to wealth was organised at NIT Kurukshetra, on March 09, 2018 for sustainable solutions and opportunities of R&D collaboration and entrepreneurship for utilisation of Agrowastes produced in Haryana, Panjab, Delhi & NCR. This important event was jointly organised by National Institute of Technology, Kurukshetra, Haryana and CSIR-AMPRI, Bhopal in association with local officials, industries and farmers.

The meet started with the welcome address of Prof. Ashavani Kumar, Professor & Coordinator, School of Materials Science & Technology, NIT Kurukshetra. Dr. Satish Kumar, Director, NIT, Kurukshetra highlighted the importance of the meet. He said that NIT K and CSIR-AMPRI are engaged in Research & Development and transformation for the industrial, societal and environmental issues and working towards the finding solution for the immediate and future requirements of society. Parali (Paddy Stubble & Straw) an agro-waste, burning is a big problem in this area and researchers from AMPRI, Bhopal and NIT Kurukshetra are targeting this burning problem.

Dr. Avanish Kumar Srivastava, Director, CSIR-AMPRI, Bhopal said that pollution is problem because of agro waste burning and other associated phenomenon. All segments viz Research Institutions, Industries and local people are important to address such challenges. The present attempt is to have three phases, one Research & Development, development of a centre at NIT, Kurukshetra and then Know How Transfer to industries. It will be a targeting Flagship programme of Govt. of India like Clean India, Healthy India, Make in India and also generating

employment through skill development for the local youth.

Chairman, Jila Parishad of Kurukshetra, Shri Gurdayal Singh Sanehari welcomed all participants. He said that academicians should approach villages so as to convince the farmer as the farmers are engineer by practice. These



Director CSIR-AMPRI, Bhopal Dr.A.K.Srivastava with Dr.Satish Kumar, Director, NIT, Kurukshetra, and Shri Gurudayal Singh Sanehari, Chairman, JilaParishad, Kurukshetra on the dias

farmers need to be sensitized to avoid burning agro waste and utilized these materials for some valuable application that took to get the economic benefits. Shri Gurdayalji also agreed that Parali burning is a serious problem of this area.

Scientists from CSIR-AMPRI Bhopal Dr. P. Asokan and Dr. S. K. S. Rathore presented their expertise and research strength for manufacturing Hybrid Green Composite materials from industrial wastes, which has already created new entrepreneurship in Gujarat, Maharastra and Chhattisgarh. They have highlighted the importance of alarming environmental national

NATIONAL TECHNOLOGY DAY - 2018

CSIR-AMPRI, Bhopal celebrated National Technology Day on May 11, 2018 to commemorate the momentus accomplishments of Science and Technology. The day is celebrated every year to commemorate the series of nuclear tests at Pokharan. Subsequently the firing of Trishul missile by DRDO and launching of HANSA civilian aircraft by CSIR – NAL have marked the Technology Day. The theme of the celebration was "Science and Technology for Sustainable Future".

Dr. Navin Chandra, Director General, MP Council of Science and Technology was the Chief Guest and Prof. Sunil Kumar, Vice Chancellor, Rajiv Gandhi Proudyogiki Vishwavidyalay, Bhopal and Shri Chandramauli Shukla, CEO, Bhopal Smart City Development Corporation were the Guests of Honor on the occasion.

At the outset, Dr. A.K.Srivastava, Director, CSIR – AMPRI, Bhopal welcomed the guests and highlighted the activities of AMPRI, Bhopal. He said that our technologies should be strong enough so that we can export them. He also mentioned several technologies transferred by CSIR – AMPRI in the recent past.

Chief Guest Dr. Navin Chandra in his address, touched upon the historical perpective of technology development. He said that Artificial Intelligence and mechanization are both big challenges for mankind which are to be tackled wisely. All technologies are created with good thoughts but we have to decide how far we can go with it, he said.

Prof. Sunil Kumar in his address said that we should develop technologies with limited resources which should be useful for the masses. He put emphasis on use of solar energy for sustainable development as we are quite fortunate to be located near equator and have sufficient sunlight throughout the year. He said that AMPRI's recent technologies can be brought into field.

Shri Chandramauli Shukla said in his address that



National Technology Day

the basic goal of our institutions is to improve the quality of life using technology. He underlined the possibilities of collaboration between both the institutions.

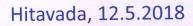
Dr. Rupa Dasgupta, Chief Scientist, CSIR – AMPRI underlined the importance of celebration of National Technology Day.

CSIR – AMPRI has developed the technology of Radiation Shielding material. Dr. S.K. Sanghi, Sr. Principal Scientist spoke on the MoU to be signed with M/s Saideep Healthcare Pvt. Ltd., Ahmednagar for the use of this material in their hospital.

CSIR – AMPRI has transferred the technology of nanoadsorbent based domestic defluoridation water filter modem to M/s MWS Enterprises Ltd., Indore. On the occasion the product was launched for the public named Amrit Basic. The filter is able to remove impurities of Fluoride and Arsenic from water.

On the occasion Agrasar, the newsletter and the new Website of the Institute were also released by the guests. Certificates for best Poster presentation were also given away to AcSIR students and AMPRI project fellows.

The function concluded with a vote of thanks from Dr. SAR Hashmi, Senior Principal Scientist, CSIR – AMPRI.





पीपुल्स समाचार 12.5.2018





प्रदेश टुडे 12.5.2018

CSIR-एम्प्री में प्रौद्योगिकी दिवस समारोह का आयोजन

भोपाल। सीएसआईआर-एम्प्री द्वारा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की उपलब्धियों की स्मृति में प्रौद्योगिकी दिवस् का आयोजन किया गया । यह दिन 11 मई को पोखरण में परमाणु विस्फोटों की शृंखला, सीएसआईआर -एनएएल द्वारा हंसा वायुयान की उड़ान तथा डीआरडी ओ द्वारा त्रिशूल मिसाइल के प्रक्षेपण की स्मृति में प्रत्येक वर्ष मनाया जाता है। इस अवसर पर मप्र विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के महानिदेशक डॉ. नवीन चंद्रा मुख्य अतिथि प्रो. सुनील कुमार, कुलपति, आरजीपीवी चंद्रमीलि शुक्ला सीईओ, भोपाल स्मार्ट सिटी डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन विशिष्ट अतिथि थे। तथा

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस देश के लिए एक बड़ी चुनौती

प्रौद्योगिकी दिवस पर सीएसआईआर-एम्प्री में आयोजन

भोपाल। नवदनिया रिपोर्टर

प्रांचाना नव्यक्तिया पियांटर
गहींचा प्रोद्योगिकी दिवस के मीकि एस
गहींचा प्रोद्योगिकी दिवस के मीकि एस
आर्थाजित किया गया। जिसमें विज्ञान
एवं प्रीद्योगिकी को उपलब्धियों पर बात
मार्च को पोहारकों ने काला कि, 11
महं को पोहारकों में कराकि एस
ग्रेप्ता स्वास्त में अन्ताक कि एस
ग्रेप्त प्रयोगी
महं को पोहारकों में एमाण्य विस्कोटों की
ही कार्यक्रम में महंगानाम समात हो एस
ही अव्यक्तिम में मिन्ह सुक्य अतिथे
ही कार्यक्रम में मीन्ह सुक्य अतिथे
प्रमान वंद्रा ने कहता कि, प्रीवारिको
विकास का पीतारिक महत्य है।
मीजुद वंद में आर्थिकाशिक महत्य है।
मीजुद वंद में आर्थिकाशिक महत्य है।
मीजुद वंद में आर्थिकाशिका सहत्य है।
मीजुद वंद में आर्थिकाशिका होने को

अच्छे उद्देश्यों से ही विकसित होती है। केवल हमें ही उनकी सीमाएं तय करना

बन प्राचाणका लगाता स्वरंग का राठ। है कार्यका में में में पूर्व मुख्य अतिक्षेत्र डॉ. नर्वान चडा ने क्शा कि, प्रीचारिको विकास का ऐतिहासिक महत्त है। मोजूद दी में आर्टिकिशियल ट्रेनिकेस और योडिकिशियल ट्रेनिकेस और योडिकिशियल ट्रेनिकेस मान्त्र वें में आर्टिकिशियल ट्रेनिकेस और योडिकिशियल ट्रेनिकेस मान्त्र वें में अर्टिकिशियल ट्रेनिकेस

नव दुनिया 12.5.2018



बंसल न्यूज टी.वी. कवरेज, 11.5.2018

Navbharat, 12.5.2018)



Nat'l Technology Day at CSIR-AMPRI

STAFF REPORTER IN BHOPAL

CSIR-AMPRI. Bhopal National Technology Day to Tribar Composition of the Composition of th

Subsequently the firing of Trishal missile by DRDO and launching of HANSA civilian along the color of the col

occasion. At the outset,

Srivastava. Director. CSR
AMPRI. Bhopal welcomed the
guests and highlighted tha
activities of AMPRI. Bhopal.
He said that our technologies
that we can export them. He
also mentioned several technologies transferred by CSIR
- AMPRI in the recent past.
He said that our technologies
has address, touched upon the
historical perpective of technology development. He said
that Artificial intelligence and
challenges for mankind which
are to be tackled wisely. All
good thoughts but we have to
with it. he said.Prof Sunil
Kumar in his address said that
we should develop technologies with limited resources
with intelligence and
the said the said that
we should develop technologies with limited resources
the masses. He put emphasis
on use of solar energy for susstainable development as we
are quite fortunate to be locat-

brought into field.
Chandramauli Shukla said in his address that the basic goal of our institutions is to improve the quality of life using technical states of collaboration between both the institutions. Rupa Dasgupta, Chief Scientist, CSIR - AMPRu Celebration of National Technology Day.
CSIR - AMPRI has developed the technology of Radiation Shielding material Scientist spoke on the MoU to be signed with M/s Saideep Healthcare Pvt Ltd. Ahmednagar for the use of the States of the States

Pioneer, 12.5.2018



Meeting with Senior Officials of Kendriya Vidyalaya Sangathan





Jigyasa Summer Programme



Visit of VC, Sagar University



Programme on Vigilance and Tendering Processes



Participants of Skill Development Initiative Programme



Technical Hindi Workshop

OUR RECENT PUBLICATIONS



सोपान राजभाषा पत्रिका

Agrasar Newsletter





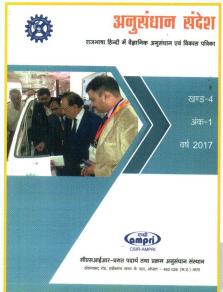
Workbook



Agrasar Hindi



Calander



Anusandhan Sandesh



CSIR-ADVANCED MATERIALS AND PROCESSES RESEARCH INSTITUTE (AMPRI), BHOPAL



MAJOR R&D AREAS

- **❖ LIGHTWEIGHT METALLIC MATERIALS & COMPOSITES**
- **❖ NATURAL FIBRES & HYBRID POLYMER COMPOSITES**
- * RADIATION SHIELDING & GEO POLYMERIC MATERIALS
- **❖ INDUSTRIAL WASTE UTILIZATION**
- **❖ SOCIETAL MISSION**







MMC Brakedrum



Al Foam Casting



Lightweight Sandwich Composite



Hybrid Composite Panel

NEW MATERIALS AND PROCESSES

- METAL MATRIX COMPOSITES FOR AUTOMOBILE APPLICATION
- **ALUMINIUM, TITANIUM AND STAINLESS STEEL FOAMS**
- **GRAPHENE & CNT REINFORCED COMPOSITES**
- **SMART AND SHAPE MEMORY MATERIALS FOR ACTUATORS**
- **NANO MATERIALS & COMPOSITES**
- **NATURAL FIBRE REINFORCED COMPOSITES**
- INDUSTRIAL WASTE UTILIZATION
- ADVANCED CONSTRUCTION MATERIALS
- **ELECTRO MAGNETIC FORMING & SHEET METAL FORMING**
- HYBRID COMPOSITES
- FINITE ELEMENT SIMULATION.

TECHNOLOGY TRANSFER

- Cost effective Hammer tips for sugar mills: M/S Asugar Egg, Pune
- Cement Free Concrete: M/s Jindal Steel and Power Ltd, Raigarh
- Process for synthesis of Al alloy based SiC dispersed composites: M/s Exclusive Magnesium, Hyderabad.
- Hybrid Wood Substitute Composites: M/S VSM Ind. Pvt Ltd, Surat.
- High Performance Hybrid Composite Materials (HP-Composites)" : M/S Chauhan Fly Ash Products, Chandrapur, Maharashtra.
- Advanced Hybrid Composite Wood and Wood Substitute Materials (AC-Wood) to M/s. ECO Bright Sheet Compant PVT. LTD., Bhilai (C.G.)
- Paver Blocks from Copper tailings-HCL-Malanjkhand
- A novel process for making advanced radiation shielding materials for broad application spectrum-Assurays Noida
- Deflouridation of drinking water using Nano adsorbant based domestic filter-MW Social Enterprise PVT ltd, Indore
- Sisal potential for Rural employment and making Hybrid Composite Wood materials using Fly ash, Department of Panchayat & Rural Development, West Bengal Government, Kolkata



FRP Air Baffle



FRP Oil Vapor Seal



Radiation Shielding Panels



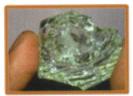
Nose Cone



Structure Made of **Geopolymer Concrete**



Suspension Ring for Railway Bogies



Transparent Shielding Materials



Tel: +91-755-2457105, Fax: +91-755 2457042

Email: director@ampri.res.in Website: www.ampri.res.in

For details please contact: Dr. Avanish Kumar Srivastava

CSIR- Advanced Materials and Processes Research Institute (AMPRI), Hoshangabad road, Near Habibganj naka,

Bhopal - 462026 (MP), India